83

कापी राइट सुरक्षित

दिल्ली विश्वविद्यालय

160

बी०ए० (ऑनर्स) हिन्दी का पाठ्यक्रम

AUTHENTICATED COPY
Assistant Registrar (Gen')
University of Delhi

प्रथम वर्ष परीक्षा—१९८५

द्वितीय वर्ष परीक्षा—१९८६

तृतीय वर्ष परीक्षा—१९८७

COMPLIMENTARY COPY

शिक्षा-वर्ष १९८४-८५ में बी०ए० ऑनर्स हिन्दी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

50 P

बी०ए० (ऑनर्स)—हिन्दी

(जुलाई 1984 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए लागू)

(क) बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी) के परीक्षाक्रम में कुल 8 प्रश्नपत्र होंगे। दो प्रथमवर्ष में, दो द्वितीय वर्ष में और चार तृतीय वर्ष में।

(ख) प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे का होगा और पूर्णांक 100 होंगे।

(ग) पाठ्यक्रम का विभाजन इस प्रकार होगा :

प्रथम वर्ष—1985

प्रथम प्रश्नपत्र :	हिन्दी कविता (पूर्व मध्यकाल)	100 अंक	3 घंटे
द्वितीय प्रश्नपत्र :	(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	50 अंक	3 घंटे
	(ख) उपन्यास : गोदान (प्रेमचन्द) मानस का हंस (अमृतलाल नागर)	50 अंक	

द्वितीय वर्ष—1986

तृतीय प्रश्नपत्र :	हिन्दी कविता (उत्तरमध्यकाल से द्विवेदी युग तक)	100 अंक	3 घंटे
चतुर्थ प्रश्नपत्र :	(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	50 अंक	3 घंटे
	(ख) निबन्ध तथा कहानी	50 अंक	3 घंटे

तृतीय वर्ष—1987

पंचम प्रश्नपत्र :	साहित्य-सिद्धान्त	100 अंक	3 घंटे
षष्ठ प्रश्नपत्र :	हिन्दी कविता (छायावादी और छायावादोत्तर काव्य)	100 अंक	3 घंटे
सप्तम प्रश्नपत्र :	नाटक तथा गद्य	100 अंक	3 घंटे

अष्टम प्रश्नपत्र : विशेष अध्ययन : तुलसीदास अथवा केशवदास अथवा कविप्रसाद अथवा नाटककार भारतेन्दु अथवा कहानीकार प्रेमचन्द अथवा हिन्दी भाषा का इतिहास अथवा संस्कृत (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने सब्सीडियरी विषय के रूप में संस्कृत नहीं ली हो) 100 अंक 3 घंटे

पाठ्यक्रम का प्रश्नपत्रानुसार विवरण

प्रथम वर्ष––1985

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी कविता (पूर्व मध्यकाल) 100 अंक 3 घंटे

1. कबीर–वाणी–पीयूष –सं० जयदेव सिंह तथा वासुदेव सिंह

(क) साखी : सुमिरन को अंग, विरह को अंग, मन को अंग, माया को अंग।

(ख) पद : 1 से 15 तक

2. चित्रावली (उसमान) सं० जगन्मोहन वर्मा (नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण, सं० 2038)

दोहा संख्या (स्तुति-खंड) 1 से 23, चित्रदर्शन–खंड : 81 से 102, परेबा खंड : 142 से 190, कौलावती–खंड : 313 से 334, चित्रावली–विरह-खंड : 426 से 430, अभिषेक खंड : 610 से 614।

3. सूरसागर-सार–सं० धीरेन्द्र वर्मा

विनय तथा भक्ति : 2, 18, 23, 24, 25, 37, 38, 42, 46, 53.

गोकुल-लीला : 3, 7, 13, 16, 19, 27, 39, 45, 56, 60.

वृन्दावन-लीला : 3, 10, 14, 20, 24, 31, 38, 42, 73, 80, 97, 110, 116, 131, 145, 149, 151, 158, 166.

राधा-कृष्ण : 1, 2, 11, 15, 32, 46, 57, 95, 100, 108, 113, 114, 150, 152.

मथुरा-गमन : 7, 11, 20, 23, 29, 35, 44, 52, 58, 62, 64, 68, 75, 76, 87, 93, 101, 104, 105, 110.

उद्धव-संदेश : 12, 17, 32, 34, 45, 50, 75, 86, 102, 119, 160, 168, 176, 181, 187

द्वारिका-चरित्र : 1, 7, 11, 18, 25, 32, 35, 47, 49, 53.

4. कवितावली (तुलसीदास) अयोध्याकाण्ड से लंकाकाण्ड तक तथा उत्तरकाण्ड

5. मीराबाई की पदावली–सं० परशुराम चतुर्वेदी—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन के 1970 के संस्करण (प्रथम खंड) से

सहायक पुस्तकें :

कबीर—हजारीप्रसाद द्विवेदी
कबीर—सं० विजयेन्द्र स्नातक
डा० बड़थ्वाल के श्रेष्ठ निबन्ध—सं० गोविन्द चातक
सूफीमत: साधना और साहित्य––रामपूजन तिवारी
हिन्दी-सूफी-काव्य का समग्र अनुशीलन––शिवसहाय पाठक
हिन्दी-सूफी-काव्य-विमर्श—श्याममनोहर पाण्डेय
भारतीय साधना और सूर-साहित्य––मुंशीराम शर्मा "सोम"
सूर की काव्य-कला—मनमोहन गौतम
गोस्वामी तुलसीदास––रामचन्द्र शुक्ल
विश्वकवि तुलसी और उनके काव्य––रामप्रसाद मिश्र
तुलसीदास और उनका काव्य––रामदत्त भारद्वाज
मीराबाई––प्रभात
मीरा का काव्य––विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
मीरा की भक्ति और उनकी काव्य–साधना का अनुशीलन—भगवानदास तिवारी
मीरा-स्मृति-ग्रन्थ—सं० ललिताप्रसाद शुक्ल तथा अन्य
हिन्दी-काव्य और उसका सौंदर्य––ओम्प्रकाश

द्वितीय प्रश्नपत्र : 100 अंक 3 घंटे

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) 50 अंक

(ख) उपन्यास : गोदान (प्रेमचन्द)
मानस का हंस (अमृतलाल नागर) 50 अंक

सहायक पुस्तकें :

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास––रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी-साहित्य का अतीत (दोनों भाग)––विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी-साहित्य का इतिहास––सं० नगेन्द्र
हिन्दी-साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—रामकुमार वर्मा

(ख) प्रेमचन्द और उनका युग—रामविलास शर्मा
गोदान के अध्ययन की समस्याएं—गोपालराय
प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प-विधान—कमलकिशोर गोयनका
प्रेमचन्द : चिन्तन और कला—इन्द्रनाथ मदान
आस्था के प्रहरी अमृतलाल नागर के उपन्यासों का विश्लेषणात्मक अध्ययन—सत्यपाल चुघ
अमृतलाल नागर का उपन्यास साहित्य—प्रकाशचन्द्र मिश्र

द्वितीय वर्ष—1986

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी कविता (उत्तर मध्यकाल से द्विवेदी युग तक) 100 अंक 3 घंटे

1. हिन्दी-रीति-साहित्य—सं० भगीरथ मिश्र (केवल मतिराम, देव, घनानन्द और पद्माकर)
2. उद्धवशतक (जगन्नाथदास "रत्नाकर")
3. प्रियप्रवास (अयोध्यासिंह उपाध्याय "हरिऔध") (केवल पंचम, षष्ठ और सप्तम सर्ग)

सहायक पुस्तकें :

महाकवि मतिराम—त्रिभुवन सिंह
देव और उनकी कविता—नगेन्द्र
घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा—मनोहर गौड़
पद्माकर : व्यक्ति काव्य और युग—सं० उमाशंकर शुक्ल
कविवर पद्माकर एवं उनका युग—ब्रजनारायण सिंह
कविवर रत्नाकर—कृष्णशंकर शुक्ल
रत्नाकर : उनकी प्रतिभा और कला—विश्वम्भरनाथ भट्ट
प्रियप्रवास में काव्य, संस्कृति और दर्शन—द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

चतुर्थ प्रश्नपत्र 100 अंक 3 घंटे

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) 50 अंक
(ख) निबंध (पाठ्य विवरण बाद में प्रस्तुत किया जायेगा)
कहानी (पाठ्य विवरण बाद में प्रस्तुत किया जायेगा) 50 अंक

सहायक पुस्तकें :

(क) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास—कृष्णशंकर शुक्ल
आधुनिक साहित्य—नन्ददुलारे वाजपेयी
हिन्दी वाङ्मय : बीसवीं शताब्दी—सं० नगेन्द्र

तृतीय वर्ष—1987

प्रथम प्रश्नपत्र : साहित्य सिद्धान्त 100 अंक 3 घंटे

खण्ड—1 60 अंक

(क) साहित्य का स्वरूप, काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन।

(ख) रस

रस : अर्थ और लक्षण, रस के अंग (स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारी—भेदों सहित परिचय)

भेद : शृंगार (संयोग, वियोग) उपभेद, कामदशाए,, वीर (भेद), हास्य, करुण, रौद्र, बीभत्स, भयानक, अद्भुत, शान्त, वात्सल्य, भक्ति। रसमैत्री—विरोध, शृंगार रस का रसराजत्व, भक्ति और वात्सल्य की रसनीयता, करुणा एवं करुण विप्रलंभ का अंतर, वीर एवं रौद्र का अन्तर, रसाभास, भावाभास, भावोदय, भावशांति, भावसंधि, भावशबलता।

(ग) शब्द-शक्ति :

शब्द, पद, वाक्य, शब्द : स्फोट और प्रकार, अर्थ और अर्थ-प्रकार, शब्द-शक्ति : लक्षण और भेद।

अभिधा —लक्षण, वाचक, शब्द और वाच्यार्थ का सम्बन्ध और सम्बन्धज्ञान के कारण, वाचक शब्द के भेद, अभिधा शक्ति का क्षेत्र, वाच्यार्थ के नियामक हेतु।

लक्षणा —लक्षण, लक्षणा के भेद—रूढ़ि प्रयोजनवती गोणी—सारोपा, साध्यवसाना, शुद्धा उपादान लक्षणा, लक्षण लक्षणा—सारोपा, साध्यवसाना।

व्यंजना —लक्षण, भेद—शाब्दी आर्थी, शाब्दी-व्यंजना—अभिधामूला, लक्षणामूला। आर्थी-व्यंजना और विशिष्टताओं के आधार पर उसके भेद

(घ) अलंकार : (अ) निम्नोक्त अलंकारों का लक्षण-उदाहरण सहित ज्ञान—

(1) उपमा और उसके भेद, रूपक और उसके भेद, उपमेयोपमा, अनन्वय, स्मरण, भ्रम, संदेह, उत्प्रेक्षा और उसके भेद, अपन्हुति और उसके भेद, प्रतीप और उसके भेद, व्यतिरेक, तुल्योगिता, दीपक,

प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति, अन्योक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, परिकर, परिकरांकुर, व्याजस्तुति, व्याजनिंदा, पर्यायोक्तिश्लेष (शब्द, अर्थ)।

(2) अतिशयोक्ति, अत्युक्ति, विरोध, विभावना और उसके भेद, विशेषोक्ति, असंगति

(3) हेतु, काव्यलिंग, तद्गुण, अतद्गुण, मीलित, उन्मीलित।

(4) कारणमाला, एकावली।

(5) स्वभावोक्ति, वक्रोक्ति, व्याजोक्ति, संकर, संसृष्टि।

(6) मानवीकरण, विशेषण विपर्यय, ध्वन्यर्थ, व्यंजना।

(आ) निम्नोक्त अलंकार-युग्मों का पारस्परिक भेद –
लाटानुप्रास-यमक, पुनरुक्ति-वीप्सा, यमक-श्लेष।
उपमा-रूपक, भ्रम-संदेह, प्रतीप-व्यतिरेक, रूपक-रूपकातिशयोक्ति,
समासोक्ति-अप्रस्तुतप्रशंसा, परिकर—परिकरांकुर, विरोध-असंगति, विभावना—विशेषोक्ति, काव्यलिंग-हेतु, दृष्टान्त-अर्थान्तरन्यास, संकर-संसृष्टि, अत्युक्ति-अतिशयोक्ति, समासोक्ति—अन्योक्ति।

(ङ) गुण : गुण, लक्षण और भेद तथा विभिन्न रसों के साथ उनका सम्बन्ध।

(च) दोष : लक्षण और इनके द्वारा काव्य की हानि, भेद तथा शब्द, अर्थ और रस-सम्बन्धी दोष। शब्द-दोष–अप्रतीति, भग्नक्रम, अनुचितार्थता, निरर्थकता, अवाचकता।
अर्थ-दोष––कष्टार्थ, ग्राम्यत्व, प्रसिद्ध-विरुद्ध
रस-दोष––स्वशब्दवाच्यता, विभाव-अनुभाव की कष्टकल्पना, अंगभूत-रस की अतिवृद्धि।

(छ) रीति––लक्षण और भेद, वैदर्भी, गौड़ी, पांचाली।
वृत्ति––लक्षण और भेद, मधुरा, कोमला, परुषा।

(ज) छंद—

1. समवार्णिक —शालिनी, भुजंगी, उपजाति, तोटक, भुजंगप्रयात, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसंततिलका, चामर, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित सवैया, मदिरा, मत्तगयंद, चकोर, दुर्मिल, किरीट, सुंदरी

दण्डक —घनाक्षरी, रूपघनाक्षरी।

2. सममात्रिक —उल्लाला, चौपई, पद्धरि, अरिल्ल, चौपाई, रोला, गीतिका, हरिगीतिका, ताटंक, लावनी, वीर, त्रिभंगी।
3. अर्द्धसममात्रिक-बरवै, दोहा, सोरठा, उल्लाल।
4. विषममात्रिक–कुंडलिया, छप्पय, आर्या।

खण्ड 2 40 अंक

साहित्य विधाएं : नाटक, एकांकी, गीतिकाव्य, खण्डकाव्य, महाकाव्य, कहानी, उपन्यास, निबन्ध, आलोचना, रेखाचित्र, तथा संस्मरण

सहायक पुस्तकें :

काव्य के रूप––गुलाबराय
सिद्धान्त और अध्ययन—गुलाबराय
काव्यदर्पण––रामदहिन मिश्र
काव्यांग विवेचन—सत्यदेव चौधरी
पाश्चात्य काव्यशास्त्र—शान्तिस्वरूप गुप्त
काव्यालोचन––ओम्प्रकाश शास्त्री
रस मंजरी—सं० कन्हैयालाल पोद्दार
अलंकार मंजरी––सं० कन्हैयालाल पोद्दार
अलंकार मंजूषा—ला० भगवानदीन
छन्दप्रभाकर––जगन्नाथप्रसाद भानु

षष्ट प्रश्नपत्र : १०० अंक ३ घंटे

हिन्दी कविता (छायावादी और छायावादोत्तर काव्य)

1. यशोधरा (मैथिलीशरण गुप्त)
2. रश्मि बंध (सुमित्रानंदन पंत) (1981 का संस्करण) राजकमल प्रकाशन
निम्नलिखित कविताएं :
प्रथम रश्मि, ग्रंथि से, आँसू की बालिका, बादल, मौन निमंत्रण, परिवर्तन, गुंजन नौका-विहार, ताज, हिमाद्रि, गिरि प्रान्तर, कृतज्ञता, भारतमाता, धर्मदान, कौन बनाता है समाज।
3. लहर (जयशंकरप्रसाद)
निम्नलिखित कविताएं :
उठ-उठ री, निज अलकों के, मधुप गुनगुना, अरी वरुणा की, ले चल वहां, आह रे वह, मेरी आंखों की, जगती की मंगलमयी, चिर तृषित कंठ, काली आंखों का, अरे कहीं देखा, अशोक की चिन्ता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेर सिंह का शस्त्र समर्पण, प्रलय की छाया।

4. कुरुक्षेत्र (रामधारी सिंह दिनकर) (षष्ठ सर्ग को छोड़कर)
   1980 का संस्करण, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

5. छायावादोत्तर कवि : भवानीप्रसाद मिश्र, गिरिजाकुमार माथुर, नागार्जुन
   (पाठ्य विवरण बाद में प्रस्तुत किया जायेगा)

सहायक पुस्तकें :

गुप्त जी की काव्य-साधना––उमाकान्त गोयल
सुमित्रानंदन पंत––नगेन्द्र
सुमित्रानंदन पंत तथा आधुनिक हिन्दी कविता में परम्परा और नवीनता
—ई० चेलिशेव
प्रसाद का काव्य––प्रेमशंकर
युगचारण दिनकर—सावित्री सिन्हा

सप्तम प्रश्नपत्र **नाटक तथा गद्य** 100 अंक 3 घंटे

चन्द्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)
संशय की एक रात (नरेश मेहता)
एकांकी-संग्रह (पाठ्य विवरण बाद में प्रस्तुत किया जायेगा)
अतीत के चलचित्र (महादेवी वर्मा)
माटी की मूरतें (रामवृक्ष बेनीपुरी)

सहायक पुस्तकें :

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन––जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विवेचन—जगदीशचन्द्र जोशी
हिन्दी एकांकी की शिल्प-विधि का विकास––सिद्धनाथ कुमार
महादेवी का गद्य—सूर्यप्रसाद दीक्षित

अष्टम प्रश्नपत्र **विशेष अध्ययन** १०० अंक ३ घंटे

(निम्नलिखित किसी एक साहित्यकार अथवा विषय का विशेष अध्ययन)

तुलसीदास अथवा **केशवदास** अथवा **कविप्रसाद** अथवा **नाटककार भारतेन्दु** अथवा **कहानीकार प्रेमचन्द** अथवा **हिन्दी भाषा का इतिहास** अथवा संस्कृत (केवल उन विद्यार्थियो के लिए जिन्होंने सब्सिडियरी विषय के रूप में संस्कृत नहीं ली हो)

(इस प्रश्नपत्र के पाट्यक्रम का विस्तृत विवरण बाद में प्रस्तुत किया जाएगा)